अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) दिनांक 22.12.2016

तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक – 100

प्र.1 किन्हीं चौदह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 14

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) संघ की सुव्यवस्था के लिए कौनसे चार तत्त्व आवश्यक हैं?

(ख) तेरापंथ के संविधान का प्रथम सूत्र क्या है?

(ग) संघ में अनुशासन का संबंध कितने व्यक्तियों से है?

(घ) विग्रह से बचने का पहला रास्ता कौनसा है?

(ङ) बहुश्रुत पुरुष किसे कहते हैं?

(च) ''महाराज दिन कम है आप पानी पीलें और करणीय काम पूरा पानी निपटा दें।'' यह कथन किसने किससे कहे?

(छ) ''कुसले पुण णो बद्दे णो मुक्के।''इसका अर्थ क्या है?

(ज) एकत्व की त्रिपदी क्या है? जिसमें संगठन के सारे तत्त्वों का समावेश हो गया।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (कोई सात प्रश्नों का उत्तर दें)

(झ) आचार्य भिक्षु के विचारों के विषय में पिछली दो शताब्दियों में भ्रान्ति फैली उसका मूल कारण क्या था?

(ञ) मार्क्स ने वर्ग संघर्ष का मूल कारण किसे माना है?

(ट) श्रुतधर्म किसे कहते हैं?

(ठ) चरममुक्ति के शुद्ध साध्य की प्राप्ति के साधन क्या हैं?

(ड) वर्तमान युग का वैज्ञानिक मानस किस पूजा का परिपोषक है?

(ढ़) आगमों में किस शरीर को छः काय के जीवों का शस्त्र निरुपित किया है?

(ण) अध्यात्म का मूल क्या है?

(त) आयारों में अहिंसा धर्म का स्वरूप क्या है?

(थ) निरवद्य दान कौनसा है?

आचार्य भिक्षु की अनुशासनशैली – 23

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) बादशाह और पिंजारे के पुत्रों के किस्से से कौनसे दो तथ्य उजागर होते हैं?

(ख) ''हेमजी की चादर प्रमाण से बड़ी है।'' तब चादर नापकर आचार्य भिक्षु ने उस भाई को क्या प्रतिबोध दिया?

(ग) दर्शन मोह और चारित्र मोह के क्षयोपशम से क्या होता है?

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 6

(क) न्याय के लिए कौन–कौन सी बातें आवश्यक हैं आचार्य भिक्षु के जीवन के संदर्भ से स्पष्ट करें।

(ख) तेरापंथ जनतंत्र व एकतंत्र का समीकरण है। स्पष्ट करें।

प्र.4 घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु कुशल अनुशास्ता थे। 12

'अथवा'

दलबन्दी की समस्या को रोकने के लिए आचार्य भिक्षु ने क्या उपाय किए?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता – 23

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) ''शुद्ध साध्य हेतु शुद्ध साधन'' अपनाने के सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ख) दान्ते के अनुसार मनुष्य के दो अंतिम कल्याण कौन–कौन से हैं?

(ग) आचार्य भिक्षु के अनुसार कोई भी सदस्य गण में कब तक रह सकता है?

प्र.6 100 से 150 शब्दों में एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 6

(क) अनेकान्त और स्यादवाद के परिपेक्ष्य में टिप्पणी लिखें।

(ख) तेरापंथ सेवा का अपूर्व संगठन है। लिखें।

प्र.7 धर्म की व्याख्या के सम्बन्ध में आचार्य भिक्षु व अन्य भारतीय विचारकों के विचारों की तुलना करें। 12

'अथवा'

सम्पन्न व्यक्तियों को जरूरतमंद व्यक्तियों के प्रति दया भाव रखना चाहिए। यह धारणा अनैतिकता और अहंकार को बढ़ाने वाली है। सिद्ध करें।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.8 किन्ही पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 5

(क) जीव हिंसा मत करो यह ढ़िढ़ोरा किसने पिटवाया? क्या भगवान महावीर ने इस कार्य की प्रशंसा की?

(ख) गाड़ी जमीकन्द से भरी है उसमें अनन्त जीव हैं उन जीवों के कितनी पर्याप्तियाँ व कितने प्राण हैं?

(ग) देवता ने पोषध में किस श्रावक को क्या–क्या कष्ट दिए?

(घ) नवकोटि प्रत्याख्यान किसे कहते हैं?

(ड.) साधु के सिवाय अन्य जीवों की अनुकंपा करके कोई साधु उन्हें बांधे बंधवाए तो किस सूत्र के अनुसार उन्हें कौनसा प्रायश्चित आता है?

(च) कौनसी सात बातों की इच्छा करना पाप है?

(छ) धारिणी रानी को दोहद किसने व कैसे पूरा किया?

प्र.9 सावद्य व निरवद्य अनुकंपा की सप्रसंग व्याख्या करें। 10

'अथवा'

ढ़ाल 6 में मिश्र धर्म मानने वाले के विचारों को किस प्रकार से वर्णित किया गया है? लिखें।

प्र.10किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) आगे अरिहंत अनंता हुआ, कहतां कहतां हो कदे नावे तिणरो पार।
आप तिर्‌या ओरां न तारीया, छ काय रे हो साता न हुइ लिगार।।

(ख) असंजती ने कीयो संजती, ते तो मोख तणा दलाल हो।
तपसीकर पार पोहचावीयो, तिण मेट्‌या सर्व हलाल हो।।

(ग) दुख देता देखी जगनाथ नें, किण अलगा न कीधा आय रे।
समदृष्टी देवता हुंता घणां, त्यां कुरणा न आंणी कांय रे।।

(घ) जन्म मरण री लाय थी काढ़े, उणरो काम सिराड़े चाढ़े।
पकड़ावे ग्यांनादिक डोरी, तिण थी आढूंई कर्म दे तोड़ी।।

भिक्षुवाणी – 10

प्र11 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 10

(क) पुरुषार्थ (ख) विषय (ग) संकीर्णता (घ) अज्ञानी

(ङ) आत्मशुद्धि की प्रक्रिया।